ज्ञान दर्शन
समाचार बुलेटिन

सितम्बर 2016 से दिसम्बर 2016 तक
(केवल ज्ञान परिवार में वितरण के लिए)

ज्ञान महाविद्यालय
आगरा रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.)
E-mail: gyanmv@gmail.com
Mobile: +91 9219419405
Website: www.gyanmahavidhyalaya.com
Gyan Parivar

1. विभागीय गतिविधियाँ :

☛ **डिजिटल इण्डिया के अन्तर्गत 4G सिम का वितरण :** 14 सित. से 15 अक्टूबर 2016 तक अलग–अलग चरणों में ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति ने डिजिटल इण्डिया अभियान के अन्तर्गत रिलाइन्स Gio 4G सिम महाविद्यालय के 36 विद्यार्थी व 12 प्राध्यापकों को दी। सिम का वितरण चेयरमेन श्री दीपक गोयल, प्राचार्य, डॉ. वाई.के. गुप्ता व उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने किया।

☛ **पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन :** 30 सितम्बर, 2016 को गांधी जयंती व लालबहादुर शास्त्री जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर बनाने के विषय **'स्वच्छ भारत अभियान'** व **'बेटी बचाओ– बेटी पढ़ाओ'** थे। इस प्रतियोगिता में बी.एड. के सभी छात्र–छात्राओं ने भाग लिया। निर्णायक मण्डल में बी.टी.सी. के विभागाध्यक्ष श्री आर. के. शर्मा, प्राध्यापिका श्रीमती शोभा सारस्वत व प्राध्यापक श्री ललित कुमार रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ वाई.के. गुप्ता, बी.एड. की विभागाध्यक्षा डॉ. आभाकृष्ण जौहरी व सभी प्राध्यापकों ने उपस्थित रहकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन बी. एड. की साहित्यिक समिति प्रभारी कु. कविता चौधरी ने किया।

☛ **बी.टी.सी. के विद्यार्थियों का प्रतिभा परिचय एवं विदाई समारोह :** 9 नवम्बर, 2016 को बी.टी.सी. विभाग के संयोजन में बी. टी.सी. बैच 2015 के प्रतिभा परिचय एवं बैच 2013 के विदाई समारोह का आयोजन स्वराज्य सभागार में किया गया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मडराक, अलीगढ़ के वरिष्ठ प्रवक्ता श्री सुधीर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।

बी.टी.सी. के विभागाध्यक्ष श्री आर.के. शर्मा ने बी.टी.सी. के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय को अलीगढ़ मंडल में सर्वप्रथम बी.टी.सी. की मान्यता प्राप्त होने का गौरव प्राप्त है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में महाविद्यालय को बी.टी.सी. की स्थाई मान्यता भी प्राप्त है। उन्होंने महाविद्यालय की विभिन्न सामाजिक योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बालक का सर्वांगीण विकास शिक्षा के द्वारा ही संभव है।

अनुक्रम

1. विभागीय गतिविधियाँ
डिजिटल इण्डिया के अन्तर्गत 4G सिम का वितरण — — — 1
पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन — — — 1
बी.टी.सी. के विद्यार्थियों का प्रतिभा परिचय एवं विदाई समारोह — 1
अमर उजाला पेंट विथ माई इण्डिया 2016 का मिनी राउण्ड — 2
महाविद्यालय में सेमिनार का आयोजन — — — 2
डॉ. कृष्णा गुप्ता मेमोरियल भाषण प्रतियोगिता - 2016 में प्रतिभाग — 2
कला एवं स्वर शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन — — — 3
अभिभावक शिक्षक संवाद का आयोजन — — — 3
सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता — — — 3
निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन — — — 3
2. रोजगार संबंधी कार्यक्रम
नवीन प्रशिक्षुओं का उन्मुखीकरण कार्यक्रम — — — 3
व्यक्तित्व विकास तथा पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का आयोजन — 4
ज्ञान कोचिंग इन्स्टीट्यूट के अन्तर्गत विशेषज्ञ श्री अतुल जब्बार द्वारा मार्ग दर्शन 4
ज्ञान कोचिंग इन्स्टीट्यूट द्वारा गोष्ठी का आयोजन — — — 4
Personality growing तथा English speaking की Training — 4
ज्ञान प्राइवेट आई.टी.आई. में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन — 5
स्टूडेन्ट्स सेल द्वारा रोजगार परक गोष्ठी का आयोजन — — 5
स्टूडेन्ट्स सेल द्वारा क्विज़/परिचर्चा का आयोजन — — — 5
3. अतिथि का व्याख्यान
गणित विभाग में अतिथि व्याख्यान — — — 6
हिन्दी विभाग में अतिथि व्याख्यान — — — 6
राजनीति शास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान — — — 6
वाणिज्य विभाग में अतिथि व्याख्यान — — — 7
4. शैक्षिक भ्रमण
विज्ञान संकाय का शैक्षिक भ्रमण — — — 7
बी.एड. विभाग का शैक्षिक भ्रमण — — — 7
बी.टी.सी. विभाग का शैक्षिक भ्रमण — — — 8
वाणिज्य संकाय का शैक्षिक भ्रमण — — — 8
5. विभिन्न दिवसों का आयोजन
शिक्षक दिवस मनाया गया — — — 8
शिक्षक दिवस पर डिजिटल इण्डिया विषय पर संगोष्ठी का आयोजन — 8
संस्थापक दिवस समारोह का आयोजन — — — 8
हिन्दी दिवस का आयोजन — — — 9
विश्व कर्मा दिवस मनाया गया — — — 9
गांधी एवं शास्त्री जयन्ती का आयोजन — — — 10
संविधान दिवस का आयोजन — — — 10
6. एन.एस.एस. व सामाजिक सरोकार समिति संबंधी कार्यक्रम
राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का आयोजन — — — 10
ज्ञान ज्योति कार्यक्रम — — — 10
रक्तदान शिविर — — — 11
महाविद्यालय की छात्राओं को सिलाई मशीन भेंट — — 11
निर्धनों को गरम कपड़ों का वितरण — — — 12
राष्ट्रीय सेवा योजना के एक - एक दिवसीय शिविरों का आयोजन — 12
गोद लिए 14 गाँवों के अति निर्धन ग्रामीणों को कम्बल वितरण — 12
7. श्रद्धा सुमन — — — 12

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रमों व समारोहों के श्रीगणेश हेतु विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष आमंत्रित अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित किये जाते हैं। अतिथि व गणमान्य व्यक्तियों को पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिह्न देकर उनको यथोचित सम्मान प्रदान करने की भी परम्परा है।

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा, सचिव, अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य, डॉ० गौतम गोयल, प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य, उप प्राचार्य, मुख्य अनुशासन अधिकारी, सभी संकायों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी तथा शिक्षणेतर वर्ग के व्यक्ति यथा सम्भव और आवश्यकतानुसार सम्मिलित होते हैं। मीडिया संबंधी कार्यों का निर्वहन डॉ० ललित उपाध्याय द्वारा किया जाता है। कार्यक्रमों का प्रबन्धन श्री मनोज यादव के निर्देशन तथा प्राचार्य एवं उप प्राचार्य के पर्यवेक्षण में किया जाता है।

Scanned by CamScanner

इसके बाद नवागत बी.टी.सी. बैच 2015 के प्रशिक्षुओं ने अपना–अपना परिचय दिया। इस दौरान प्रशिक्षु ज्ञानेन्द्र कुमार व दीशू शर्मा ने हास्य रस की कविता प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। नये बैच से मोनिका ने एकल गीत प्रस्तुत किया। 'बेटी बचाओ–बेटी पढाओ' पर प्रेरणादायक नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसे उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों एवं अतिथियों द्वारा सराहा गया। इसके अलावा प्रशिक्षुओं द्वारा छम–छम, प्रेम रतन धन पायो, दीवानी मस्तानी आदि गानों पर मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए। **समारोह के दौरान 2013 बैच से कुलदीप कुशवाहा को मिस्टर फेयरवेल व नीतू सिंह को मिस फेयरवेल एवं 2015 बैच से जुगल किशोर को मिस्टर फ्रेशर व शैलजा गुप्ता को मिस फ्रेशर चुना गया।** कार्यक्रम के दौरान मनोरंजक विंचज व टास्क गेम्स आयोजित किए गए तथा विजेताओं को पुरस्कार दिए गए।

मुख्य अतिथि श्री सुधीर सिंह ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मेहनत अगर जारी है तो सफलता मिलती रहेगी। उन्होंने प्रशिक्षुओं से कहा कि शिक्षा में व्यावहारिक ज्ञान का विशेष महत्व है। उन्होंने प्राइमरी एजूकेशन में शैक्षिक सुधार लाने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि समाज व शिक्षा प्राथमिक शिक्षा से ही सुधरेगी और उसकी जिम्मेदारी प्रशिक्षुओं पर ही है। उन्होंने प्रशिक्षुओं में ज्ञान बढ़ाने की प्रवृत्ति जागृत करने की बात कही। अंत में उन्होंने प्रशिक्षुओं को शिक्षक पद की गरिमा बढ़ाने की बात कहते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ दीं। सभी आगंतुकों तथा बैच 2013 के प्रशिक्षुओं को स्मृति चिह्न प्रदान किए गए। प्राचार्य ने कार्यक्रम आयोजन पर प्रशिक्षुओं को बधाई दी और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। प्रबंध समिति की सदस्या श्रीमती रितिका गोयल ने प्रशिक्षुओं को शिक्षा में नवाचार करते रहने और उन्हें शिक्षा प्रणाली में लाने की बात कहते हुए सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन बैच 2014 के प्रशिक्षु शिवम वार्ष्णेय एवं दीपांशी माहेश्वरी ने किया।

☛ **अमर उजाला फेम मिस नार्थ इण्डिया 2016 का सिटी राउण्ड :** 16 नवम्बर, 2016 को हमारे महविद्यालय के स्वराज्य सभागार में अमर उजाला फेम मिस नार्थ इण्डिया 2016 के सिटी राउण्ड का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल रहे। इस आयोजन की व्यवस्था प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता के निर्देशन में की गई। शैफाली, सोना व शिवानी ने कैटवाक राउण्ड व फोटो सैशन करवाये। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. ललित उपाध्याय ने किया।

☛ **महाविद्यालय में सेमिनार का आयोजन :** 18 नवम्बर, 2016 को महाविद्यालय में, "**आज का शिक्षक कैसा हो**" विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें बी.एड. (2016–18) के सभी विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रस्तुत विचार–विमर्श के दौरान छः छात्राओं का चयन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य तथा बी.एड. की विभागाध्यक्षा डॉ. आभाकृष्ण चौहरी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संयोजन बी. एड. की साहित्यिक समिति की प्रभारी प्राध्यापिका कु. कविता चौधरी व समिति सदस्य श्री लखमीचन्द ने किया।

☛ **डॉ. कृष्णा गुप्ता मेमोरियल भाषण प्रतियोगिता 2016 में प्रतिभाग :** 24 नवम्बर, 2016 को डॉ. कृष्णा गुप्ता मेमोरियल भाषण प्रतियोगिता 2016 का आयोजन इनके निजी निवास विक्रम कॉलोनी, अलीगढ़ में किया गया, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों की छात्राओं ने प्रतिभाग किया। ज्ञान महाविद्यालय से चयनित बी.एड. की छः छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का विषय 'आज का शिक्षक कैसा हो' था। बी.एड. विभाग के प्राध्यापक श्री गिर्राज किशोर ने उपस्थित रहकर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। इस भाषण प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय की बी.एड. की छात्रा कु. जया माहेश्वरी को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। पाँचों छात्राओं को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए ।

☛ **कला एवं हस्त शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन :** 2 दिस., 2016 को हमारे महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षा संकाय में कला एवं हस्त शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने हर्षोल्लास से प्रतिभाग किया। इस प्रदर्शनी में विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने अनेक प्रकार की पेन्टिंग, रंगोली, हस्तशिल्प, चार्ट आदि बनाकर रखीं। इस प्रदर्शनी में निर्णायक के रूप में स्थानीय डी. एस. कालिज के कला विभाग के एसो. प्रो. डॉ. ईश्वरचन्द्र गुप्ता तथा टीकाराम कन्या महाविद्यालय की कला विभाग की प्राध्यापिका डॉ. (श्रीमती) मनीषा शर्मा सम्मिलित हुयीं।

निर्णायक मंडल के अनुसार रंगोली प्रतियोगिता में बी.टी.सी. समूह प्रथम, बी.कॉम. समूह द्वितीय तथा बी.टी.सी. एवं बी.ए. का संयुक्त समूह तृतीय स्थान पर रहा। निर्णायक मंडल के डॉ. ईश्वरचन्द्र ने कहा कि इस प्रदर्शनी से यहाँ के विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित हुई है। विद्यार्थियों ने बहुत ही लगन व निष्ठा से अपनी कला का प्रदर्शन किया है, वे सभी बधाई के पात्र हैं। डॉ. (श्रीमती) मनीषा शर्मा ने विद्यार्थियों की कला के रूप में प्रकट हुई सृजनात्मक क्षमता की प्रशंसा की। महाविद्यालय के प्राचार्य ने निर्णायक मण्डल के उपर्युक्त दोनों विद्वतजनों का आभार व्यक्त किया। प्रदर्शनी का संयोजन शिक्षक शिक्षा संकाय

Scanned by CamScanner

के कला विभाग प्रभारी श्री ललित कुमार ने किया। विद्यार्थियों से प्रदर्शनी हेतु हस्त शिल्प एवं कलाकृतियां बनवाने व रंगारंग कार्यक्रम कराने में शिक्षक शिक्षा संकाय की प्राध्यापिका श्रीमती शोना सारस्वत एवं डॉ. मुक्ता गुप्ता ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन बी.टी.सी. के विद्यार्थी शिवम वार्ष्णेय व मोनिका ने किया।

☛ **अभिभावक शिक्षक संवाद का आयोजन :** 10 दिसम्बर, 2016 को महाविद्यालय के सरस्वती तथा ज्ञान भवन में अभिभावक शिक्षक संवाद का आयोजन किया गया। इस संवाद हेतु महाविद्यालय के वाणिज्य, कला, विज्ञान, शिक्षक शिक्षा तथा प्रबन्धन संकाय में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों के अभिभावकों को आमंत्रित किया गया। विद्यार्थियों की प्रगति से उनके अभिभावकों को अवगत कराया गया तथा शैक्षिक स्तर में सुधार हेतु अभिभावकों से व्यावहारिक सुझाव लिए गए।

उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने अभिभावकों को नोटबन्दी के चलते हो रही परेशानियों से निपटने के उपाय बताते हुये डिजीटल भुगतान के बारे में बताया। उन्होंने पेटीएम, 'ई. वॉलेट' आदि की जानकारी दी। मोबाइल बैंकिंग व डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड को स्वाइप मशीन द्वारा भुगतान के बारे में बताया।

इस अवसर पर उपर्युक्त सभी संकायों के प्राध्यापकों ने उपस्थित अभिभावकों से उनके पुत्र/पुत्री की शिक्षा संबंधी समस्याओं पर भी गंभीरता से बातचीत की। सभी अभिभावकों ने इस बारे में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। आयोजन के अन्त में प्राचार्य जी ने सभी अभिभावकों को धन्यवाद दिया।

☛ **सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता :** 20 दिसम्बर, 2016 को महाविद्यालय की परीक्षा समिति ने सरस्वती भवन में बी.ए., बी. एस–सी. तथा बी.कॉम. के विद्यार्थियों की ओ.एम.आर. शीट पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता कराई, जिसमें 427 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों का सामान्य ज्ञान बढ़ाना तथा ओ.एम.आर. शीट भरने का प्रशिक्षण देना है। यह प्रतियोगिता प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता तथा उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल की देखरेख में कराई गयी।

इस प्रतियोगिता में आलोक नाथ राहुल तथा आकाश राघव ने प्रथम स्थान, शमशाद मलिक बी.ए. तृतीय वर्ष ने द्वितीय स्थान तथा वीरेन्द्र सिंह और गौरव वार्ष्णेय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

☛ **निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन :** 24 दिसम्बर, 2016 को महाविद्यालय परिसर में डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल फाउण्डेशन के तत्वावधान में पी.एस.आर.आई. हॉस्पीटल, नई दिल्ली के चिकित्सा विशेषज्ञों ने निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में 216 से अधिक लोगों ने अपने स्वास्थ्य की निःशुल्क जाँच कराई तथा विशेषज्ञों से निःशुल्क परामर्श लिया।

इस शिविर मे पेट रोग, यूरोलॉजी, हड्डी रोग तथा स्पाइन आदि के विशेषज्ञों ने परामर्श दिया। शिविर का उद्घाटन अलीगढ़ मण्डल के अपर आयुक्त श्री वी.के. सिंह ने किया। महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल तथा महाविद्यालय प्रबन्धन की श्रीमती रितिका गोयल ने शिविर का पर्यवेक्षण किया।

2. रोजगार सम्बंधी कार्यक्रम

☛ **नवीन प्रशिक्षुओं का उन्मुखीकरण कार्यक्रम :** 03 सितम्बर, 2016 को महाविद्यालय के सरस्वती भवन स्थित स्वराज्य सभागार में नवीन प्रशिक्षुओं के लिए उन्मुखीकरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित ज्ञान आई.टी.आई. प्रबन्धन की सदस्या श्रीमती रितिका गोयल एवं ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल ने छात्रों को संबोधित करते हुए उनके 'व्यक्तित्व के विकास' पर प्रकाश डाला तथा 'रोजगार की सम्भावनाओं' के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में छात्रों का सामूहिक परिचय कराया गया। प्रबन्धन सदस्या श्रीमती रितिका गोयल ने छात्रों से उनकी रूचि के बारे में भी जानकारी ली। छात्रों ने भी

Scanned by CamScanner

अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभाओं को दर्शाया।

कार्यक्रम में ज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने छात्रों को संबोधित करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला एवं छात्रों को अनुशासित जीवन जीने के लिए कहा। कार्यक्रम के दौरान इलेक्ट्रीशियन व फिटर विभाग के अनुदेशकों ने अपने–अपने विचार प्रकट किये एवं छात्रों को शैक्षिक सत्र व स्कालरशिप से सम्बंधित जानकारी दी।

☛ **व्यक्तित्व विकास व पब्लिक स्पीकिंग कार्यशाला का आयोजन :** 17 सित., 2016 को महाविद्यालय परिसर स्थित ज्ञान वोकेशनल इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार अस्थाना ने स्वराज्य सभागार में बी.एड., बी.टी.सी., बी.ए., तथा बी.कॉम. के विद्यार्थियों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में नोएडा (जिला गौतमबुद्ध नगर) स्थित बी.लिंग्वा के इण्टरनेशनल ट्रेनर मुहम्मद नासिर तथा श्री नितिन कुमार ने विद्यार्थियों से प्रश्नोत्तर के रूप में चर्चा करके व्यक्तित्व विकास तथा पब्लिक स्पीकिंग आदि विषयों पर प्रकाश डाला। दोनों प्रशिक्षकों ने समयबद्धता, बॉडी लैंग्वेज तथा ड्रैसिंग सैंस के बारे में विस्तार से चर्चा कर विद्यार्थी तथा प्राध्यापकों की शंकाओं का समाधान करते हुए उनके प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए।

प्रशिक्षकों ने इस पूरे कोर्स को ज्ञान वोकेशनल इंस्टीट्यूट के माध्यम से लगभग एक तिहाई मूल्य में महाविद्यालय परिसर में ही शुरू करने की घोषणा की। इस कार्यशाला के आयोजन में उपर्युक्त विभागों के प्रभारियों ने विशेष सहयोग दिया। अंत में डॉ. धर्मेन्द्र कुमार अस्थाना ने आशा व्यक्त की कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

☛ **ज्ञान वोकेशनल इंस्टीट्यूट के तत्वावधान में ट्रेनिंग विशेषज्ञ श्री अब्दुल जब्बार द्वारा मार्गदर्शन :** 21 सितम्बर, 2016 को बी.एड. के विद्यार्थियों हेतु 'रोजगार उन्मुख कार्यक्रम सम्बंधी प्रशिक्षण' राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम के तकनीकी सेवा केन्द्र, अलीगढ़ के प्रमुख ट्रेनिंग मैनेजर श्री अब्दुल जब्बार द्वारा अपराह्न 2 बजे से महाविद्यालय परिसर में शुरू किया गया।

व्यक्तित्व विकास के साथ–साथ नौकरी प्राप्त करने तथा अन्य उपायों द्वारा जीवनयापन करने के तरीकों पर चर्चा की। श्री जब्बार जी ने बताया कि प्रत्येक वर्ष पास होने वाले विद्यार्थियों में से केवल 5% विद्यार्थियों को ही नौकरी प्राप्त होती है। शेष में से 10% व्यक्तियों को प्राइवेट नौकरी मिलती है। अच्छी नौकरी पाने के लिए यदि बी.एड. कोर्स के साथ, कम्प्यूटर, संगीत, क्राफ्ट, मैनेजमेण्ट आदि के कोर्स तथा व्यक्तित्व विकास व पब्लिक स्पीकिंग के कोर्स कर लें तो अच्छी नौकरी प्राप्त करने की संभावना बढ़ जाती है। आप कोचिंग सेन्टर शुरू करके, विशेषज्ञ सलाहकार के रूप में या अच्छे वक्ता बनकर अन्य लोगों को भी नौकरी दे सकते हैं। मुख्य प्रशिक्षक श्री जब्बार ने छात्रों की सभी शंकाओं का समाधान प्रश्नोत्तर के माध्यम से किया।

☛ **ज्ञान वोकेशनल इंस्टीट्यूट द्वारा संगोष्ठी का आयोजन :** 5 अक्टूबर, 2016 को ज्ञान वोकेशनल इंस्टीट्यूट के तत्वावधान में महाविद्यालय के सरस्वती भवन के स्वराज्य सभागार में **"व्यक्तित्व विकास व अंग्रेजी दक्षता"** पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. डी.के. अस्थाना ने संगोष्ठी के उद्देश्य व व्यावसायिकता के बारे में विस्तार से बताया तथा इसके अन्तर्गत चलने वाले सी.सी.सी. कम्प्यूटर कोर्स तथा इन्दिरा गाँधी नेशनल ओपन यूनीवर्सिटी के विभिन्न कोर्सों के बारे में भी जानकारी दी। एन.एस.डी.सी. व बैंकिंग जॉब के लिए कोर्स प्रारम्भ करने के बारे में भी जानकारी दी। इसमें बी.ए., बी.एस–सी. व बी.कॉम. के लगभग 200 विद्यार्थी व तीनों संकाय (वाणिज्य, विज्ञान एवं कला) के प्राध्यापक सम्मिलित हुए।

दक्ष प्रशिक्षिका श्रीमती रिचा बंसल ने शिक्षा के पश्चात् जीवन लक्ष्य पर चर्चा करते हुए बताया कि व्यक्तित्व विकास हेतु – आत्मविश्वास, बेहतर संवाद, व्यवहार कुशलता व सामाजिक ज्ञान आवश्यक है। इन गुणों से किसी भी प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त की जा सकती है। श्रीमती रिचा ने प्रतिभागियों के सवालों के संतोषजनक उत्तर दिए। बी लिंग्वा संस्थान के प्रशिक्षक श्री कैलाश उपाध्याय ने अंग्रेजी भाषा में बोलचाल व लिखने के प्रायोगिक महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर प्राचार्य ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए व्यक्तित्व विकास के महत्व को जीवन में जरूरी बताया। डॉ. डी.के. अस्थाना ने आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया तथा शीघ्र ही कोर्स शुरू करने की घोषणा की।

☛ **Personality Groming तथा English Speaking की Training :** 21 नवम्बर, 2016 को महाविद्यालय के सरस्वती भवन में बी.ए., बी.एस–सी. तथा बी.कॉम. के विद्यार्थियों के लिए दो माह के Personality Groming तथा English Speaking के प्रशिक्षण की शुरूआत की गई। यह प्रशिक्षण ज्ञान वोकेशनल इंस्टीट्यूट के अन्तर्गत आयोजित किया गया। मुख्य प्रशिक्षक श्री कैलाश उपाध्याय ने विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम की उपयोगिता बताने के साथ–साथ यह बताया कि लिखने के लिए शब्द, लिखने के नियम तथा उस विषय का अच्छा ज्ञान होना अति आवश्यक है। ज्ञान वोकेशनल इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. डी. के. अस्थाना ने विद्यार्थियों द्वारा की जा रही पहल की सराहना की तथा विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे जीवन में

Scanned by CamScanner

उन्नति के लिए आत्म विश्वास तथा ज्ञान में वृद्धि करें। प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने कहा कि उन्नति के लिए अंग्रेजी का अच्छा ज्ञान और आत्म अनुशासन आवश्यक है, उन्होंने मुख्य प्रशिक्षक श्री कैलाश उपाध्याय का आभार व्यक्त किया।

☛ **ज्ञान प्राइवेट आई. टी. आई. में दो दिवसीय कार्य–शाला का आयोजन** : 21 नवम्बर, 2016 को नेशनल पावर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (ऊर्जा मंत्रालय) नई दिल्ली ने ज्ञान प्राइवेट आई.टी.आई. के प्रशिक्षुओं हेतु दो दिवसीय पावर सिस्टम फैमिली राइजेशन' विषय पर कार्यशाला का आयोजन हमारे महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में किया।

ज्ञान प्राइवेट आई.टी.आई. के प्रधानाचार्य श्री मनोज कुमार वार्ष्णेय ने संस्थान की प्रगति के बारे में चर्चा की। निदेशक डॉ. गौतम गोयल ने कहा कि तकनीकी ज्ञान से ही प्रशिक्षार्थियों में रोजगार की संभावनाएँ बढ़ेगी। प्रबन्धन सदस्या श्रीमती रितिका गोयल ने कहा कि आज का युग कम्प्यूटर व कौशल विकास का है, इसमें पारंगत होना जरूरी है।

नेशनल पावर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एन.पी.टी.आई.) के सहायक निदेशक श्री एम.के. शर्मा ने ऊर्जा सप्लाई, घटक व टॉवर के प्रकारों के बारे में विस्तार से बताया। सिंचाई विभाग के एस.डी.ओ. श्री अतीक अहमद ने फिटर से सम्बन्धित जानकारी दी और कहा कि युवा आई.टी.आई. प्रशिक्षुओं को आत्मनिर्भर बनने के प्रयास करने चाहिए। इस कार्यशाला में ज्ञान प्राइवेट आई.टी.आई. के अनुदेशक तथा इलैक्ट्रीशियन व फिटर के 300 से अधिक प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

कार्यशाला में दूसरे दिन ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल ने कहा कि हमारे यहाँ से सभी प्रशिक्षणार्थियों को उच्च स्तर का प्रशिक्षण देकर सभी आई.टी.आई. धारकों को रोजगार की सम्भावनाएँ उपलब्ध कराई जायेंगी। प्रबन्धन सदस्या श्रीमती रितिका गोयल ने प्रबन्धन से सम्बन्धित जानकारी दी।

ट्रेनिंग को आगे बढ़ाते हुये नेशनल पावर ट्रेनिंग इंस्टीयूट के सहायक निदेशक श्री एम.के. शर्मा व एक्जीक्यूटिव इंजीनियर श्री जवाहर लाल (उ.प्र. सिंचाई विभाग) ने छात्रों (प्रशिक्षुओं) को थर्मल पावर जेनरेशन तथा ट्रान्सफॉर्मर मैन्टीनेन्स के बारे में जानकारी दी और सन् 2019 तक गाँव–गाँव बिजली पहुँचाने की प्रक्रिया के बारे में बताया।

कार्यशाला के समापन पर सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम का संचालन अनुदेशक विकास वर्मा ने किया। कार्यशाला के अन्त में निदेशक डॉ. गौतम गोयल ने ऊर्जा मंत्रालय के विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

☛ **स्टूडेन्टिंग ऐरा द्वारा रोजगार परक संगोष्ठी का आयोजन** : 28 नवम्बर, 2016 को स्टूडेन्टिंग ऐरा के मुख्य अधिशासी अधिकारी श्री राजादास गुप्ता तथा एक अन्य अधिकारी श्रीमती सारना ने महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में विज्ञान, कला तथा वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के साथ चर्चा की। उन्होंने बताया कि उनकी संस्था ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास व भविष्य निर्माण हेतु मार्गदर्शन देने के लिए website www.studentingera.com एक बनाई है। कोई भी व्यक्ति सौ रूपये शुल्क देकर इसमें अपना पंजीकरण कराकर 17 प्रकार के लाभ जैसे – शिक्षा हेतु ऋण कैसे लें ?, बैंक PO, Net आदि की तैयारी व किसी भी बीमारी के सम्बन्ध में विशेषज्ञों की राय तथा साक्षात्कार आदि के लिए तैयारी से सम्बन्धित संतोषजनक जानकारी तथा अन्य आवश्यक मार्गदर्शन ले सकते हैं।

उक्त दोनों अधिकारियों ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिये। ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल ने स्टूडेन्टिंग ऐरा के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया और आशा व्यक्त की कि आज की चर्चा विद्यार्थियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने यह भी कहा कि समय के साथ चलने के लिए APP की जानकारी आवश्यक है।

☛ **स्टूडेन्टिंग ऐरा द्वारा द्वितीय चर्चा का आयोजन** : 1 दिसम्बर, 2016 को स्टूडेन्टिंग ऐरा के श्री अभिषेक जी तथा श्रीमती रुचिका शर्मा ने हमारे महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में वाणिज्य, विज्ञान तथा कला संकाय के विद्यार्थियों के साथ अपनी संस्था के सम्बंध में चर्चा की। श्रीमती रुचिका शर्मा ने बताया कि डिजिटल इण्डिया अपनाने से भारत का व्यक्ति विश्व में उपलब्ध ज्ञान से जुड़ रहा है। श्री अभिषेक जी ने अन्य जानकारी देने के साथ–साथ CV तथा Resume का अन्तर स्पष्ट किया और बताया कि केवल सौ रूपये पंजीकरण शुल्क देकर कोई भी व्यक्ति हमारी संस्था से आजीवन जुड़ा रह सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि बोलने की कला, साक्षात्कार तथा

Scanned by CamScanner

आत्म विश्वास आदि से संबंधित जानकारी हमारी website पर उपलब्ध है। आज ही महाविद्यालय के अनेक विद्यार्थियों ने स्टूडेन्टिंग ऐरा के कार्यक्रमों से जुड़ने हेतु पंजीकरण कराया है।

महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने सभागार में विद्यार्थियों को बताया कि आज विश्व एड्स दिवस है। उन्होंने एच.आई.वी. एड्स के फैलने के कारणों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि इस खतरनाक बीमारी का उपचार केवल बचाव ही है।

उन्होंने बचाव के व्यावहारिक तरीके भी बताये। अन्त में महाविद्यालय प्रबन्धन की श्रीमती रितिका गोयल ने स्टूडेन्टिंग ऐरा के विशेषज्ञों का आभार व्यक्त किया।

3. अतिथि व्याख्यान

☛ **गणित विभाग में अतिथि व्याख्यान :** 23 नव., 2016 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के गणित विभाग के प्राध्यापक डॉ. आरिफ खान ने हमारे महाविद्यालय स्थित स्वराज्य सभागार

में, **"बेसिक नम्बर ऑफ थ्योरी"** विषय पर व्याख्यान दिया। विद्वान व्याख्याता ने विद्यार्थियों को यूनिट डिजिट, रिमेण्डर प्रमेय तथा अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं में आने वाली समस्याओं की बारीकियों को समझाया। उन्होंने किसी नम्बर की घात में इकाई स्थान पर आने वाले अंक तथा शेषफल के बारे में भी समझाया और विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संतोष कुमार ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

☛ **हिन्दी विभाग में अतिथि व्याखान :** 29 नवम्बर, 2016 को स्थानीय टीकाराम कन्या महाविद्यालय की हिन्दी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मन्जू शर्मा ने हमारे महाविद्यालय में "आज की युवा पीढ़ी में हिन्दी के प्रति उदासीनता" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने हिन्दी के महत्व के बारे में बताने के साथ-साथ रोजगार के अवसरों की संभावनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि देवनागरी एक वैज्ञानिक, शिष्ट एवं व्याकरण शील लिपि है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हिन्दी के प्रति उदासीनता चिन्ता के साथ चिन्तन का विषय है। उन्होंने आगे कहा कि हिन्दी के प्रति उदासीनता के लिए युवा पीढ़ी जिम्मेदार है, इसलिए इस उदासीनता को दूर करने के लिए युवा पीढ़ी को प्रयास करना होगा।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने हिन्दी के प्रयोग पर बल दिया तथा विद्यार्थियों को हिन्दी सेवी बनने के लिए प्रेरित किया। प्रबन्धक श्री मनोज यादव ने व्याख्यान के दौरान सभागार में उपस्थित रहकर अपने हिन्दी प्रेम का परिचय दिया। कार्यक्रम का संयोजन हिन्दी की प्राध्यापिका डॉ. वीना अग्रवाल ने किया। अन्त में हिन्दी के प्राध्यापक डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

☛ **राजनीति शास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान :** 01 दिसम्बर, 2016 को स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एन.के. सिंह सेंगर ने हमारे महाविद्यालय में, **"भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों का महत्व"** विषय पर व्याख्यान दिया। अतिथि वक्ता ने संविधान में मौलिक अधिकारों, मूल कर्तव्य तथा राज्य के नीति निदेशक तत्वों की व्यावहारिकता एवं प्रासंगिकता के सम्बन्ध में चर्चा की और बताया कि राज्य के द्वारा व्यक्ति के अधिकारों को किसी भी प्रकार से प्रतिबन्धित नहीं किया जा सकता है।

Scanned by CamScanner

संविधान में समय–समय पर संशोधन करते हुऐ भी अधिकारों को पूर्ण रूप से सुरक्षित रखा गया है।

मौलिक अधिकारों में केवल संसद द्वारा ही संशोधन किया जा सकता है तथा कोई भी नागरिक अपने मौलिक अधिकारों का हनन होने पर सीधे उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर सकता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बाई.के. गुप्ता ने बताया कि अपने मौलिक अधिकारों का प्रयोग करते समय हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि इससे दूसरों को असुविधा न हो। उन्होंने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया। इस व्याख्यान का संयोजन कला संकाय के प्रभारी डॉ. वी. के. वर्मा ने किया।

☛ **वाणिज्य संकाय में अतिथि व्याख्यान :** 03 दिसम्बर, 2016 को हमारे महाविद्यालय, के स्वराज्य सभागार में महाविद्यालय की ज्ञान व्याख्यान माला के अन्तर्गत वाणिज्य संकाय के तत्वाधान में अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद शोएब द्वारा "Strategic Financial Decision Making" विषय पर व्याख्यान दिया गया।

इस व्याख्यान में डॉ. शोएब ने बताया कि आज नोट बंदी के कारण उत्पन्न आर्थिक समस्या में वित्तीय निर्णयन की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। इसके द्वारा उद्योग जगत अपने सकारात्मक निर्णय ले सकेंगे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बाई.के. गुप्ता ने नोट बन्दी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय का यह अत्यन्त महत्वपूर्ण वित्तीय निर्णय है। इससे भविष्य के वित्तीय रखरखाव के बारे में निर्णय लेने में सुगमता रहेगी एवं विकास पथ पर अग्रसर होने के अवसर प्राप्त होंगे।

इसी क्रम में उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने वित्तीय निर्णयन के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि व्यावहारिक क्षेत्र के साथ–साथ दैनिक जीवन में भी वित्तीय नियोजन की महती आवश्यकता है, जिससे राष्ट्र के साथ–साथ समाज एवं व्यक्तियों की भी उन्नति सम्भव है। वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर. के. कुशवाहा ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया। डा. समर रजा द्वारा वर्तमान समय में नोट बंदी होने के कारण उत्पन्न हुई समस्या के निवारण हेतु ऑन लाइन बैंकिंग तथा पे टीएम के प्रयोग के बारे में विस्तार से बताया। मंच का संचालन डॉ. संध्या सेंगर ने किया।

4. शैक्षिक भ्रमण :

☛ **विज्ञान संकाय का शैक्षिक भ्रमण :** 3 दिसम्बर, 2016 को महाविद्यालय के विज्ञान संकाय के 41 विद्यार्थियों को उनके प्राध्यापक डॉ. एच.एस. चौधरी, डॉ. सुलैह अनवर, श्री वीरेन्द्र पाल सिंह, डॉ. संतोष कुमार, श्री प्रवीन कुमार, डॉ. अरमीन सिद्दीकी, डॉ. ज्योति सिंह, श्री अमित कुमार वार्ष्णेय व इं. अकलीम खान एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण हेतु आगरा ले गए।

प्राध्यापकों ने इस अवसर पर उन स्थलों के ऐतिहासिक, सामाजिक, शैक्षिक, धार्मिक तथा आर्थिक महत्व पर विद्यार्थियों से चर्चा की और बताया कि आगरा का ताजमहल भारत की शान और प्रेम का प्रतीक चिह्न माना जाता है। उत्तर प्रदेश का तीसरा बड़ा जिला आगरा ऐतिहासिक दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण है।

मुगलों का सबसे पसंदीदा शहर होने के कारण ही उन्होंने दिल्ली से पहले आगरा को अपनी राजधानी बनाया।

विद्यार्थियों को यह भी बताया कि आगरा में ताजमहल के अलावा भी कई चीजें देखने लायक है। जैसे– आगरा का किला, फतेहपुर सीकरी, सिकन्दरा, जामा मस्जिद आदि। इन सभी ऐतिहासिक इमारतों को देखकर विद्यार्थी बहुत उत्साहित हुए। इसके बाद सभी विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों ने दोपहर का भोजन किया और उसके बाद अलीगढ़ के लिए रवाना हुए और सही समय पर अपने–अपने आवास पर वापस पँहुचे।

☛ **बी.एड. विभाग का शैक्षिक भ्रमण :** 23 दिस., 2016 को बी.एड. सत्र 2016–18 के प्रथम वर्ष के विद्यार्थी अपने विभाग की प्रभारी डॉ. आभाकृष्ण जौहरी तथा प्राध्यापिका श्रीमती शिवानी सारस्वत, श्री गिर्राज किशोर, श्री लखमी चन्द्र, श्रीमती वर्धा शर्मा, डॉ. मुक्ता तथा कविता चौधरी के साथ एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण हेतु मथुरा–वृन्दावन गये। वहाँ पर इन्होंने बाँके बिहारी मन्दिर, प्रेम मन्दिर, इस्कॉन मन्दिर, वैष्णो मन्दिर तथा कृष्णजन्म भूमि आदि का भ्रमण कर मौके पर ही इन स्थलों के ऐतिहासिक, धार्मिक तथा शैक्षिक महत्व पर अपने प्राध्यापकों के साथ चर्चा की। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का विकास करने के साथ–साथ उन्हें इन दर्शनीय स्थलों के आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व की जानकारी देना था। इस भ्रमण के प्रभारी श्री गिर्राज किशोर तथा कु. कविता चौधरी थीं।

Scanned by CamScanner

☛ **B.T.C. विभाग का शैक्षिक भ्रमण :** 28 दिसम्बर, 2016 को B.T.C. बैच 2014 के प्रशिक्षु अपने प्राध्यापक श्रीमती शोभा सारस्वत, श्री रवि कुमार वर्मा, श्री ललित कुमार तथा कु. सविता गुप्ता के साथ एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण हेतु महाविद्यालय की बस से मथुरा–वृन्दावन गये। वहाँ पर बाँकेबिहारीजी, प्रेम मन्दिर, इस्कॉन व लोटस मन्दिर, पागल बाबा का मन्दिर, वैष्णो माता का मन्दिर, बिड़ला मन्दिर व कृष्ण जन्म भूमि का भ्रमण किया।

प्रशिक्षु तथा प्राध्यापकों ने भ्रमण किए गए उपर्युक्त स्थलों के धार्मिक, शैक्षिक, ऐतिहासिक व आध्यात्मिक महत्व पर चर्चा की। कुल मिलाकर यह शैक्षिक भ्रमण प्रशिक्षुओं के लिए मनोरंजक तथा ज्ञानवर्धक रहा। इस भ्रमण का संयोजन तथा सह संयोजन क्रमशः श्रीमती शोभा सारस्वत तथा श्री रविकुमार वर्मा ने किया।

☛ **वाणिज्य संकाय का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण :** 29 दिस., 2016 को वाणिज्य संकाय के 38 विद्यार्थी प्राध्यापक डॉ. राजेश कुशवाहा, डॉ. हीरेश गोयल, डॉ. समर रजा एवं डॉ. दुर्गेश शर्मा के साथ शैक्षिक भ्रमण पर कान्हा की नगरी वृन्दावन गए।

वृन्दावन में बाँके बिहारी मन्दिर, प्रेम मन्दिर, वैष्णो देवी मन्दिर, इस्कॉन मन्दिर व अक्षय पात्र मन्दिर देखा। अक्षय पात्र मन्दिर में ही बच्चों को फूड रिफाइनरी का भ्रमण कराया गया तथा विभिन्न दर्शनीय स्थलों की प्रबन्ध व्यवस्था व फूल प्रोसेसिंग यूनिट की प्रबन्धकीय एवं आर्थिक विश्लेषण के वाणिज्यिक पक्ष से विद्यार्थियों को अवगत कराया और मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि को भी दिखाया गया। इन सभी ऐतिहासिक स्थलों के शैक्षिक, सामाजिक, धार्मिक तथा आर्थिक महत्व के बारे में विद्यार्थियों से मौके पर चर्चा की गयी। विद्यार्थियों ने इन जानकारियों के साथ–साथ उपर्युक्त सभी स्थलों पर अपना यथोचित मनोरंजन भी किया। इस भ्रमण के प्रभारी डॉ. दुर्गेश शर्मा रहे।

5. विभिन्न दिवसों का आयोजन :

☛ **शिक्षक दिवस मनाया गया :** ज्ञान आई.टी.आई. में 5 सितम्बर, 2016 को शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 'शिक्षकों' ने छात्रों को मुख्य शिक्षाविद् एवं पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन की जीवन शैली एवं उनके चरित्र से अवगत कराया। शिक्षकों ने बताया कि शिक्षक दिवस सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के जन्म दिन पर हर वर्ष 5 सितम्बर को मनाया जाता है। वे एक अच्छे शिक्षाविद् एवं अध्यापक थे। उनका चरित्र छात्रों को अच्छी प्रेरणा देने वाला है। शिक्षकों ने छात्रों को बताया कि उन्हें अपने विद्यार्थी जीवन में शिक्षकों का सदैव सम्मान करना चाहिये और उन्हें कभी नहीं भूलना चाहिए। छात्रों को सदैव अनुशासित जीवन जीना चाहिए। इस अवसर पर शिक्षकों के सम्मान में, आई. टी. आई. के छात्रों ने एक पार्टी का आयोजन किया तथा सभी शिक्षकों को आमंत्रित कर उन्हें उपहार भेंट किए। पार्टी का शुभारम्भ आई.टी.आई. के प्रधानाचार्य श्री मनोज कुमार वार्ष्णेय ने केक काटकर किया। इस अवसर पर आई.टी.आई. के सभी शिक्षक मौजूद रहे।

☛ **शिक्षक दिवस पर डिजिटल इण्डिया विषय व संगोष्ठी का आयोजन :** 5 सित., 2016 हमारे महाविद्यालय में शिक्षक दिवस पर डिजिटल इण्डिया विषय व संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का संचालन डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने किया।

डिजीटल इण्डिया विषय प्रतियोगिता में बी.ए., बी.एस–सी., बी.कॉम. प्रथम वर्ष एवं एम.एस–सी., एम.कॉम. व बी.एड. प्रथम वर्ष के 129 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। विषय प्रतियोगिता के विजेताओं को संस्थापक दिवस पर स्मार्ट फोन पुरस्कार स्वरूप भेंट किए जाने की घोषणा की गई।

शिक्षक दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में प्राचार्य डा. बाई.के. गुप्ता की अध्यक्षता में छात्र–छात्राओं व प्राध्यापकों ने गुरूओं की महिमा का गुणगान किया। इस अवसर पर उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने कहा कि शिक्षक जीवन में प्रकाश लाता है। मुख्य अनुशासन अधिकारी श्री आर.पी. सिंह ने कहा कि छात्र जीवन में अनुशासन को देश देने वाला अध्यापक ही होता है। कार्यक्रम में साक्षी, गोपाल, निखिल, नीलम, पाठक, हिमानी, शमशाद मलिक, दीपेश कुमार, सचिन कुमार, कविता, खगेन्द्र, लक्ष्मी, विष्णु शर्मा, मीरा, आकांक्षा, हेमन्त, उपेन्द्र, पूनम, रितू सहित छात्र–छात्राओं ने शिक्षकों के मान सम्मान में अपने विचार रखे।

प्राध्यापक श्रीलक्ष्मी चन्द, श्री गिर्राजकिशोर, डॉ. विवेक मिश्रा, डॉ. आनन्दकृष्ण जौहरी व डॉ. ललित उपाध्याय ने शिक्षक दिवस पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम उपरान्त छात्र–छात्राओं ने शिक्षकों को उपहार दिए।

☛ **संस्थापक दिवस समारोह का आयोजन :** 11 सितम्बर, 2016 को महाविद्यालय परिसर में हर वर्ष की तरह महाविद्यालय के संस्थापक स्वर्गीय डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल का जन्म दिन ज्ञानार्जन दिवस के रूप में मनाया गया। इस समारोह में दिल्ली सरकार के पूर्व मुख्य सचिव श्री वीरेन्द्र सिंह IAS ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया।

महाविद्यालय प्रबन्धन के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी, उपाध्यक्ष श्री अवि प्रकाश मित्तल, सदस्य इंजी. इंदेश कौशिक, प्रबन्धक श्री मनोज यादव के साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में अलीगढ़ के पूर्व सांसद श्री बिजेन्द्र सिंह, अलीगढ़ के समाज सेवी श्री रामवीरसिंह, वरिष्ठ पत्रकार श्री

Scanned by CamScanner

सतीश कुलश्रेष्ठ, स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय के प्रोवटर श्री पी.के. शर्मा, मथुरा के श्री चन्द्रशेखर जी (वरिष्ठ पत्रकार) श्रीपाल शर्मा, श्री राकेश भार्गव तथा श्री वीरेन्द्र गोयल एवं दिल्ली के श्री बच्चन सिंह एवं श्रीमती गीता सिंह आदि पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहे। शिक्षक, शिक्षणेत्तर वर्ग के साथ महाविद्यालय व ज्ञान आई.टी.आई. के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। उद्घाटन की औपचारिकता के बाद विद्यार्थियों ने क्रमशः सरस्वती वंदना तथा गणेश वंदना प्रस्तुत की। अतिथियों के स्वागत के बाद पूर्व सांसद श्री विजेन्द्र सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि ज्ञान महाविद्यालय इसके संस्थापक डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल के परिवार के संस्कारों की धरोहर है। उन्होंने कहा कि जिस परिवार में एकता तथा संस्कार होते हैं, वही परिवार विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। उन्होंने अच्छाई, ईमानदारी तथा नैतिकता का साथ देने की वकालत की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने महाविद्यालय की अब तक की प्रगति से सबको अवगत कराया।

मथुरा से पधारे वरिष्ठ पत्रकार एवं वयोवृद्ध समाजसेवी श्री चन्द्रशेखर जी ने कहा कि विद्या की देवी माँ सरस्वती के पुत्र का नाम ज्ञानेन्द्र है। ज्ञानेन्द्र शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञान का अधिपति, संवेदनशील, प्रबुद्ध मस्तिष्क वाले तथा सांसारिक प्राणियों के प्रति अच्छी समझ रखने वाले व्यक्तियों को ही ज्ञानेन्द्र कहा जाता है। श्री शेखरजी ने कहा कि स्व. डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल अच्छे चिकित्सक होने के साथ-साथ अच्छे लेखक तथा शिक्षाविद् भी थे। डॉ. ललित उपाध्याय ने ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के अन्तर्गत चल रही स्वराज्य स्वावलम्बी योजना व स्वराज्य ज्ञान योजना के माध्यम से गोद लिए गये 14 गाँवों के निवासियों को दी जा रही सुविधाओं का उल्लेख किया। साथ ही उन्होंने रक्तदान, वृक्षारोपण तथा अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों में महाविद्यालय के योगदान की चर्चा की।

महाविद्यालय के उप प्राचार्य डा. हीरेश गोयल ने कालिज द्वारा आयोजित **डिजिटल क्विज प्रतियोगिता 2016** के बारे में बताया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अनेक विजेता विद्यार्थियों को महाविद्यालय प्रबन्धन ने स्मार्ट फोन उपहार में दिये। श्री रामवीरसिंह जी ने अपने उद्बोधन में महाविद्यालय प्रगति की सराहना की। महाविद्यालय के प्रकाशन **ज्ञान अर्थ, ज्ञान भव व ज्ञान दर्शन** का विमोचन सभी अतिथि तथा गणमान्य व्यक्तियों ने किया। मनुहारी ज्ञान योजना के अन्तर्गत महाविद्यालय के 13 प्राध्यापकों को पुरस्कृत किया गया।

मुख्य अतिथि माननीय श्री वीरेन्द्र सिंह ने अपने सारगर्भित वक्तव्य में कहा कि देश में 90% परिवारों की मासिक आय दस हजार रूपये महीने से भी कम है। इन परिवारों के विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके विद्यार्थी जीवन के समय जो प्रथम श्रेणी में पास होता था वह अपने विषय के बारे में अच्छा ज्ञान रखता था लेकिन आज ऐसा नहीं है। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में गिरावट पर चिन्ता व्यक्त की तथा कहा कि वर्तमान व्यवस्था में विद्यार्थियों की प्रखरता कम हुयी है। उपर्युक्त कार्यक्रम के बीच-बीच में ज्ञान महाविद्यालय तथा ज्ञान आई.टी.आई. के विद्यार्थियों ने अनेक प्रकार के सांस्कृतिक तथा मनोरंजक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। अन्त में महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा शिक्षक, शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यथित एवं विद्यार्थियों को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापिका श्रीमती शिवानी सारस्वत तथा कु. ऋतिजा मित्तल ने किया। कार्यक्रम के बाद सभी उपस्थित व्यक्तियों ने महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा आयोजित भोज का आनन्द लिया।

☛ **हिन्दी दिवस का आयोजन :** 14 सितम्बर, 2016 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों ने भाग लिया। अलीगढ के जाने माने कवि श्री अशोक अंजुम ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। बी.एड. की छात्रा कविता राजपूत, विष्णु शर्मा, हेमन्त कुमार तथा लक्ष्मी वार्ष्णेय ने जोर देकर कहा कि हमारे देश की शक्ति एकता में है तथा देश के विकास के लिए हिन्दी का सबल आवश्यक है। प्राध्यापक श्री गिर्राज किशोर, डॉ. विवेक मिश्रा, श्री लखमी चन्द, हिन्दी की विभागाध्यक्षा डॉ. वीना अग्रवाल तथा उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने भी हिन्दी की बढ़ती संभावनाओं पर अपने-अपने विचार व्यक्त किए।

मुख्य अतिथि श्री अशोक अंजुम के कहा कि हिन्दी सर्वाधिक बोली एवं समझी जाने वाली भाषाओं में से एक है, इसे मन से अपनाने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि ने अपनी रचना **"हिन्दी के पाव पड़े छाले"** सुनाकर हिन्दी की वेदना बताई। उन्होंने अपने कुछ स्वरचित गीत तथा दोहे आदि भी सुनाए। डॉ. ललित उपाध्याय ने संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी की गूँज को हिन्दी का युग बताया तथा कार्यक्रम का संचालन किया। प्राचार्य ने अपने वक्तव्य में भारतेन्दु हरिश्चन्द के हिन्दी प्रेम को उजागर किया व अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

☛ **विश्वकर्मा दिवस मनाया गया :** 17 सित., 2016 को ज्ञान आई. टी. आई. में **"विश्वकर्मा दिवस"** का आयोजन हर्षोल्लास से किया गया। कार्यक्रम में भगवान विश्वकर्मा की पूजा की गई तथा हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ज्ञान महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता एवं ज्ञान आई.टी. आई. के प्रधानाचार्य श्री मनोज कुमार वार्ष्णेय ने हवन में आहुतियाँ देकर व पुष्प अर्पित कर भगवान विश्वकर्मा को नमन

Scanned by CamScanner

किया। तत्पश्चात् प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में सभी शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे। छात्रों को भगवान विश्वकर्मा के इतिहास के बारे में जानकारी दी गई।

छात्रों को बताया गया कि भगवान विश्वकर्मा आदि काल से ही अपने विशिष्ट ज्ञान एवं विज्ञान के कारण न केवल मानवों में अपितु देवगणों द्वारा भी वंदित हैं। श्री विश्वकर्मा विश्वस्तर के शिल्पकार थे। उन्होंने महर्षि दधीचि की हड्डियों से अपने निर्देशन में वज्र का निर्माण कराया, जिससे वृत्रासुर नामक दुर्दान्त राक्षस का वध किया गया। उन्होंने लंकापुरी तथा द्वारिकापुरी की बसावट की रूप रेखा तैयार की और अनेक व्यावहारिक अन्वेषण किये। पुष्पक विमान का निर्माण तथा सभी देवों के भवन और इनकी दैनिक उपयोगी वस्तुएँ भी उनके द्वारा ही बनायी गयी। कर्ण का कुण्डल, विष्णु भगवान का सुदर्शन चक्र, शंकर भगवान का त्रिशूल और यमराज का काल दण्ड इत्यादि वस्तुओं का निर्माण भगवान विश्वकर्मा ने ही किया है।

☛ **गांधी एवं शास्त्री जयन्ती का आयोजन :** 2 अक्टूबर, 2016 को महाविद्यालय परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व श्री लाल बहादुर शास्त्री का जन्म दिन हर्षोल्लास से मनाया गया। एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने निर्देशन में स्वेच्छासेवियों ने महाविद्यालय परिसर में सफाई की।

कार्यक्रम अधिकारी ने अपने उद्‌बोधन में श्रमदान तथा स्वच्छता अभियान के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य ने उपस्थित रहकर स्वेछासेवियों का मनोबल बढ़ाया।

☛ **संविधान दिवस का आयोजन : 18 नव., 2016** को महाविद्यालय में संविधान दिवस के उपलक्ष्य में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें बी.एड. के सभी विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इसमें संकाय के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे। विभाग के प्राध्यापक श्री लखमी चन्द ने विद्यार्थियों को संविधान दिवस के बारे में बताया। विभागाध्यक्षा डॉ. आशा कृष्ण जौहरी ने भारतीय संविधान की मुख्य बातों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड. की साहित्यिक समिति की प्रभारी प्राध्यापिका कु. कविता चौधरी ने किया।

6. एन.एस.एस. व सामाजिक सरोकार समिति संबंधी कार्यक्रम :

☛ **राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस का आयोजन :** 24 सित., 2016 को महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर स्वराज्य सभागार में हर्षोल्लास से मनाया। प्राचार्य ने कहा कि एन.एस.एस. के स्वयंसेवी मान-अपमान का ध्यान रखे बिना समाजसेवा का कार्य करते हैं और समाज को सही दिशा में कार्य करने की प्रेरणा देते हैं जो कि वर्तमान समय की माँग है। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 26 सितम्बर से गांधी जयन्ती तक हमारे महाविद्यालय में स्वच्छता सप्ताह के अन्तर्गत परिसर की साफ सफाई व साज सज्जा के कार्य में छात्रों व प्राध्यापकों को जोड़ा जायेगा।

उप प्राचार्य ने कहा कि एन.एस.एस. के स्वयंसेवी समाज के साथ कार्य करते हैं। उन्होंने स्वयंसेवकों को प्रधानमंत्री बीमा सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री ज्योति बीमा योजना व प्रधानमंत्री जन-धन योजना, अटल पेंशन योजना के बारे में विस्तार से बताने के साथ सामाजिक बीमा के लाभ भी बताए। 12 रु. वार्षिक प्रीमियम में 2 लाख रु. का दुर्घटना बीमा हर व्यक्ति को कराना चाहिए। स्वयंसेवक शमशाद मलिक सहित कई स्वयं सेवकों ने अपने-अपने विचार रखे।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य व कार्यप्रणाली पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एन.एस.एस. की शुरूआत 24 सित., 1969 को देश के 37 विश्वविद्यालयों में हुई थी। आज एन.एस.एस. देश के 250 विश्वविद्यालयों में है, तथा 32 लाख से अधिक विद्यार्थी इसके सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि यू.जी.सी. एन.एस.एस. को एक वैकल्पिक विषय के रूप में पढ़ाने की योजना अमल में ला रहा है। उन्होंने रक्तदान को महादान के रूप में बताते हुए रक्तदान की अपील की। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य ने उपस्थित लोगों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सभी प्राध्यापक व छात्र-छात्राएँ एवं एन.एस.एस. के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ललित उपाध्याय ने किया।

☛ **ज्ञान ज्योति कार्यक्रम :** 27 अक्टूबर, 2016 को महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में पिछले वर्षों की भाँति ज्ञान ज्योति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के अन्तर्गत महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 14 गाँवों में स्थित सरकारी भवन तथा निर्धन लोगों के घरों में दीपावली की रात को दीपक जलाने के लिए इन सभी गाँवों के

Scanned by CamScanner

हमारे महाविद्यालय से संबंधित विद्यार्थियों को मिट्टी के दीपक, सरसों का तेल तथा बातियाँ इस आयोजन हेतु दी गयी।

विवेकानन्द कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी के सचिव श्री अनिल सारस्वत ने इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों व विद्यार्थियों ने आयोजन में भाग लिया। गोद लिए गए गाँवों के अनेक प्रधान भी उपस्थित थे। ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने समिति के उद्देश्य तथा कार्यों के बारे में बताया। प्राचार्य ने महाविद्यालय की अब तक की प्रगति के बारे में बताया। महाविद्यालय प्रबंधन की श्रीमती रितिका गोयल ने अपने संबोधन में इकोफ्रेन्डली दीपावली मनाने पर जोर दिया। मुख्य अतिथि महोदय ने अपने वक्तव्य में दीपावली के अवसर पर थाइना निर्मित झालर व आतिशबाजी का प्रयोग न करने की अपील की। चेयरमैन श्री दीपक गोयल ने प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने को कहा तथा मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया और शहीदों के सम्मान में एक-एक दीपक जलाने की सलाह दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ललित उपाध्याय ने किया।

दीपावली की रात को उपर्युक्त 14 गाँवों में स्थित सरकारी भवनों तथा निर्धनों के घर महाविद्यालय के स्वेच्छासेवी विद्यार्थियों ने दीप प्रज्वलित कर ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के कार्य में चार-चाँद लगाये।

☛ **रक्तदान शिविर का आयोजन** : 19 नवम्बर, 2016 को हमारे महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई ने ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति तथा सभी संकायों के सहयोग से महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में रक्तदान शिविर एवं संगोष्ठी का आयोजन किया। मलखान सिंह जिला चिकित्सालय स्थित रक्त कोष के प्रभारी डॉ. ए.के. राजवंशी के नेतृत्व में एक टीम ने शिविर में आकर रक्तदाताओं से रक्त एकत्र किया।

महाविद्यालय के विभिन्न संकायों के विद्यार्थी तथा शिक्षक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक श्री लखमी चन्द एवं कु. कविता चौधरी और बस चालक दीपक तोमर ने कुल मिलाकर 78 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदान के बाद आयोजित संगोष्ठी में ए.डी. एम. सिटी (अलीगढ़) श्री श्याम बहादुर सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. ललित उपाध्याय ने बताया कि अब तक महाविद्यालय में आयोजित चार रक्तदान शिविरों में महाविद्यालय के विद्यार्थी, प्राध्यापक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति 270 यूनिट से अधिक रक्तदान कर चुके हैं। डॉ. राजवंशी ने कहा कि 18 वर्ष से 60 वर्ष तक की आयु का स्वस्थ व्यक्ति वर्ष

में चार बार रक्तदान कर सकता है। निकटवर्ती गाँव बढ़ौली फतेह खाँ की प्रधान श्रीमती मिथलेश देवी ने कहा कि रक्तदान में युवतियों की बढ़ती भागीदारी से समाज सशक्त हो रहा है। मुख्य अतिथि महोदय ने कहा कि एक यूनिट रक्तदान से चार लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने सभी रक्त दाताओं को सम्मानित कर उन्हें बधाई दी।

कार्य. प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने रक्तदान को मानवता के नाम यज्ञ बताया तथा मलखान सिंह जिला चिकित्सालय की टीम एवं मुख्य अतिथि आदि का आभार व्यक्त किया।

☛ **महाविद्यालय की छात्राओं को सिलाई मशीन भेंट** : 28 नवम्बर, 2016 को महाविद्यालय की स्वराज्य स्वावलम्बी योजना के अन्तर्गत छात्रा चिंकी शर्मा पुत्री श्री सतीश शर्मा, ग्राम – बढ़ौली फतेह, खाँ को विवाह के शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व मण्डलायुक्त डॉ. आर.के. भटनागर, डॉ. गौतम गोयल व ग्राम प्रधान बढ़ौली फतेह, खाँ श्रीमती मिथलेश देवी ने संयुक्त रूप से सिलाई मशीन भेंट की।

ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने बताया कि स्वराज्य स्वावलम्बी योजना के अन्तर्गत बढ़ौली फतेह, खाँ की निवासी महाविद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर रही या प्राप्त कर चुकी लड़की की शादी में एक सिलाई मशीन उपहार स्वरूप भेंट की जाती है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने छात्रा चिंकी शर्मा को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इसी क्रम में 11 दिसम्बर, 2016 को इसी गाँव की छात्रा पूनम कुमारी को भी एक सिलाई मशीन भेंट की गई।

Scanned by CamScanner

☛ **निर्धनों को गरम कपड़ों का वितरण :** महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई तथा सामाजिक सरोकार समिति ने पहल कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय के प्राध्यापक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों के सहयोग से पुराने गर्म कपड़े एकत्र कर महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 14 गाँवों के जरूरतमंद व्यक्तियों को वितरित किए साथ ही इन गाँवों के बीच में लगे ईंट भट्टों पर कार्यरत दूर क्षेत्रों से आये मजदूरों ने भी ये गर्म कपड़े लिए। इससे गरीबों को ठण्ड से राहत मिली तथा अमीरों के प्रयोग में न आने वाले पुराने गरम कपड़ों का सदुपयोग हुआ।

☛ **राष्ट्रीय सेवा योजना के एक–एक दिवसीय तीन शिविरों का आयोजन :** 14, 19 तथा 22 दिस., 2016 को एन.एस.एस. के एक–एक दिवसीय शिविरों का आयोजन पड़ियावली गाँव में किया गया। प्रथम शिविर में प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने स्वेच्छासेविकाओं को बताया कि समाज सेवा के लिए आत्मानुशासन जरूरी है। डॉ. ललित उपाध्याय ने स्वेच्छासेविकों को डिजिटल भुगतान के लिए पेटीएम, वॉलेट, रूपये मोबाइल व नेट बैंकिंग के बारे में विस्तार से बताया। उप प्राचार्य डॉ. हरीश गोयल ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत शौचालय बनवाने तथा उसके प्रयोग पर बल दिया। शिविर में डॉ. संध्या सेंगर, डॉ. आर.के. कुशवाहा, डॉ. डी.एस. गुप्ता तथा अनिल कुमार ने भी प्रतिभाग किया।

द्वितीय शिविर में डॉ. ललित उपाध्याय ने ग्राम प्रधान श्री यतेन्द्रपाल सिंह तथा कुछ अन्य ग्रामीणों को डिजिटल भुगतान व मोबाइल बैंकिंग हेतु मोबाइल एप्स डाउन लोड कर डिजिटल भुगतान के संबंध में जागरूक किया। स्वेच्छासेविकों ने घर–घर जाकर परिवारों का सामाजिक, आर्थिक व शैक्षिक सर्वे किया और बड़े नोट बन्द होने से पैदा हुई समस्या के समाधान के बारे में चर्चा की। स्वेच्छासेविकों ने शौचालय के प्रयोग, टीकाकरण, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ व स्वच्छ भारत अभियान के बारे में भी ग्रामीणों को जानकारी दी। डॉ. ललित उपाध्याय ने उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत कुकिंग गैस के नए कनेक्शन देने के बारे में भी ग्रामीणों को बताया। इस द्वितीय शिविर में महाविद्यालय के प्राचार्य, मुख्य अनुशासन अधिकारी श्री आर.पी. सिंह, डॉ. संध्या सेंगर, डॉ. ज्योति सिंह व श्री अनिल कुमार ने भी प्रतिभाग किया।

तीसरे एक दिवसीय शिविर में स्वेच्छासेविकों ने मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत पड़ियाव्ली गाँव में रैली निकाली, विभिन्न ज्वलन्त समस्याओं के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया। आज शिविर में सहभोज का भी आयोजन किया गया। आज के शिविर में प्राचार्य, उप प्राचार्य, डॉ. ज्योति सिंह, अमित कुमार वार्ष्णेय तथा श्री अनिल कुमार ने प्रतिभाग किया।

☛ **गोद लिये चौदह गाँवों के अति निर्धन ग्रामीणों को कम्बल भेंट :** 16 दिस., 2016 को महाविद्यालय में ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के तत्वाधान में गोद लिये 14 गाँवों के 70 निर्धन ग्रामीणों को कम्बल दिए गए। प्रत्येक गाँव के 5–5 व्यक्तियों को ये कम्बल दिए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इग्नू के अलीगढ केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भानु प्रताप सिंह रहे।

मुख्य अतिथि ने अपने व्याख्यान में कहा कि ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति की यह अनूठी पहल है। ग्रामीण लोग इग्नू के माध्यम से भी दूरस्थ शिक्षा द्वारा शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं।

प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने ज्ञान महाविद्यालय द्वारा किये जा रहे सामाजिक कार्यों– वृक्षारोपण, रक्तदान, डिजीटल भुगतान, स्वच्छ भारत अभियान तथा जनधन योजना आदि के बारे में बताया। संचालन डॉ. ललित उपाध्याय ने किया। सचिव श्री दीपक गोयल ने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. गौतम गोयल, श्रीमती रितिका गोयल, प्रबन्धक मनोज यादव के साथ गोद लिए गाँवों के प्रधान, लाभार्थी, महाविद्यालय के प्राध्यापक, विद्यार्थी व शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति उपस्थित थे।

श्रद्धा सुमन

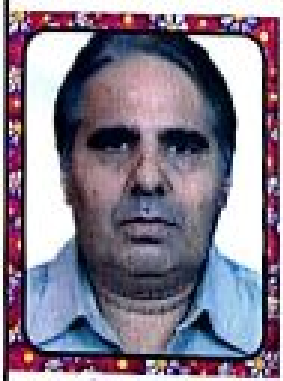

स्व. श्री ब्रजेन्द्र मलिक

12 अगस्त, 2016 को महाविद्यालय की प्रबंध समिति के सदस्य श्री ब्रजेन्द्र मलिक का असामयिक निधन हो गया। ज्ञान परिवार आपके निधन पर हार्दिक शोक व्यक्त करता है तथा दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिवार को इस असीम दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करने हेतु परम पिता परमेश्वर से विनम्र प्रार्थना करता है।

Scanned by CamScanner